

International Multidisciplinary
Research Journal

*Indian Streams
Research Journal*

Executive Editor
Ashok Yakkaldevi

Editor-in-Chief
H.N.Jagtap

Indian Streams Research Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board. Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Dr. T. Manichander

Mr. Dikonda Govardhan Krushanahari
Professor and Researcher ,
Rayat shikshan sanstha's, Rajarshi Chhatrapati Shahu College, Kolhapur.

International Advisory Board

Kamani Perera Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka	Mohammad Hailat Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken	Hasan Baktir English Language and Literature Department, Kayseri
Janaki Sinnasamy Librarian, University of Malaya	Abdullah Sabbagh Engineering Studies, Sydney	Ghayoor Abbas Chotana Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]
Romona Mihaila Spiru Haret University, Romania	Ecaterina Patrascu Spiru Haret University, Bucharest	Anna Maria Constantinovici AL. I. Cuza University, Romania
Delia Serbescu Spiru Haret University, Bucharest, Romania	Loredana Bosca Spiru Haret University, Romania	Ilie Pinteau, Spiru Haret University, Romania
Anurag Misra DBS College, Kanpur	Fabricio Moraes de Almeida Federal University of Rondonia, Brazil	Xiaohua Yang PhD, USA
Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania	George - Calin SERITAN Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi	More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India	Iresh Swami Ex - VC. Solapur University, Solapur	Rajendra Shendge Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur
R. R. Patil Head Geology Department Solapur University,Solapur	N.S. Dhaygude Ex. Prin. Dayanand College, Solapur	R. R. Yalikal Director Managment Institute, Solapur
Rama Bhosale Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel	Narendra Kadu Jt. Director Higher Education, Pune	Umesh Rajderkar Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik
Salve R. N. Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur	K. M. Bhandarkar Praful Patel College of Education, Gondia	S. R. Pandya Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai
Govind P. Shinde Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai	Sonal Singh Vikram University, Ujjain	Alka Darshan Shrivastava Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar
Chakane Sanjay Dnyaneshwar Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune	G. P. Patankar S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka	Rahul Shriram Sudke Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore
Awadhesh Kumar Shirotiya Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)	Maj. S. Bakhtiar Choudhary Director,Hyderabad AP India.	S.KANNAN Annamalai University,TN
	S.Parvathi Devi Ph.D.-University of Allahabad	Satish Kumar Kalhotra Maulana Azad National Urdu University
	Sonal Singh, Vikram University, Ujjain	

Research Paper

म.प्र. राज्य की औद्योगिक नीतियों एवं प्रयासों का अध्ययन

विजय डावर

शोधार्थी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, इन्दौर

सारांश

शोधार्थी द्वारा इस शोध पत्र में मध्यप्रदेश की औद्योगिक नीतियों और प्रयासों का अध्ययन विस्तार पूर्वक किया गया है। शोध के मुख्य उद्देश्य मध्यप्रदेश सरकार द्वारा औद्योगिक क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों का निरीक्षण करना था। शोधकार्य की प्रविधि गुणात्मक थी। शोधपत्र में उल्लेखित होता है कि मध्यप्रदेश ने अपने निर्माण के बाद से प्रगति का एक लम्बा सफर तय किया है। प्रदेश की इस प्रगति में यहाँ के उद्योगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मध्यप्रदेश राज्य के औद्योगिक विकास में सरकारी नीतियों योजनाओं एवं प्रयासों ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाहन किया है। अतः प्रस्तुत शोध पत्र में इसी भूमिका का अध्ययन किया गया है।

प्रस्तावना

किसी भी देश की अर्थव्यवस्था में उद्योगों का महत्वपूर्ण स्थान होता है। बिना औद्योगिक प्रगति के आर्थिक स्थिति निर्धारित नहीं की जा सकती, अगर यहाँ भारत देश के विभिन्न राज्यों की बात की जाए तो मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास में काफी बदलाव आया है। इसका मुख्य कारण राज्य सरकार अपनी औद्योगिक नीतियों में बदलाव के साथ ही सक्रिय उपायों के माध्यम से लगातार औद्योगिक माहौल में सुधार करने के लिए प्रयासरत् है। प्रदेश का तीव्र औद्योगिक विकास हो इस कवायद में जुटी तात्कालिक सरकार की नीतियाँ हमेशा से ही औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने की रही है। इसी कड़ी में उद्योग संवर्धन नीति 2004 के रूप में जो आधुनिक स्वप्न का बीजारोपण हुआ, आगामी वर्ष 2007 में म.प्र. की औद्योगिक, नीति और बाजारोन्मुख अर्थव्यवस्था का बुनियादी ढाँचा तैयार कर लिया गया जो ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट व उद्योग संवर्धन नीति 2010 के रूप में निवेश को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास हुआ और बड़े पुँजीपतियों और निवेशकों को अपनी ओर आकर्षित करने में सफलता हासिल हुई। प्रदेश सरकार द्वारा घोषित नई औद्योगिक नीति में आर्थिक दृष्टि से पिछड़े हुए क्षेत्रों के औद्योगिक विकास पर विशेष बल दिया गया है। जिसके परिणाम स्वरूप राज्य में औद्योगिक विकास की चमक दिखाई देने लगी इसी का परिणाम है की वर्ष 2011-12 में 11.98 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर के साथ म.प्र. भारत में सबसे तेजी से विकसित हो रहे प्रभावशाली राज्यों में से एक रहा है।

मध्यप्रदेश उद्योग संवर्धन नीति 2004

- लघु उद्योगों हेतु वित्तीय सहायता करों में छुट, रियायती देश पर भूमि प्रब्याजी में छुट अधोसंरचना सुविधाएं आदि के प्रावधान किये गये हैं।
- वित्तीय सहायता एवं अनुदान टर्म लोन ब्याज अनुदान जो 10 से 20 लाख रुपये तक अनुदान उपलब्ध कराया जाएगा।
- प्रदेश में स्थापित होने वाले नवीन लघु उद्योगों को स्थायी पुँजी निवेश पर 5 से 10 लाख एवं विशेष स्थायी पुँजी निवेश पर 15 से 25 लाख तक का अनुदान दिया जाएगा।
- परियोजना प्रतिवेदन पर हुये व्यय की प्रतिपूर्ति 1 प्रतिशत की दर से दी जाएगी।
- उद्योगों में शोध एवं अनुसंधान गतिविधियों पर हुए व्यय की प्रतिपूर्ति 2 लाख सीमा तक दी जाएगी।
- 10 करोड़ से अधिक की स्थायी पुँजी निवेश वाले बायोटेक्नॉलाजी उद्योगों को भी मेगा प्रोजेक्ट का दर्जा दिया जाएगा।
- उद्योग विहिन विकास खण्ड व पिछड़े जिले में डाक्युमेन्टेशन हेतु स्टाम्प ड्युटी एवं पंजीयन शुल्क में छुट।
- राज्य में स्थित बीमार औद्योगिक इकाईयों के लिए वित्तीय एवं अन्य रियायतें।

उद्योग संवर्धन नीति 2010

- 50 लाख रुपये से अधिक स्थाई पुँजी निवेश के

औद्योगिक अपशिष्ट प्रसंस्करण लघु उद्योग की श्रष्ट सेक्टर में सम्मिलित करते हुए विशेष अनुदान।

- वृहद एवं मध्यम उद्योग परिसर तक अधोसंरचना विकसित करने हेतु किए गए व्यय का 50 प्रतिशत उपलब्ध कराये जाने का प्रावधान।
- सुक्ष्म और लघु उद्योग के लिए स्थाई पुँजी निवेश पर 15 प्रतिशत की सब्सिडी एवं लघु उद्योग के लिए बहुमंजला औद्योगिक कॉम्पलेक्स की स्थापना।
- बीमार लघु श्रेणी उद्योगों के लिए पुनर्जीवन योजना के अन्तर्गत सर्विस चार्ज एवं न्यूनतम प्रभार माफ करने का प्रावधान।
- अनुसूचितजाति/अनुसूचित जनजाति, महिला उद्यमी के अतिरिक्त निःशक्त जनो को 20 लाख सीमा तक विशेष अनुदान सुविधा।
- औद्योगिक विकास केन्द्रों के समीप उद्योगों के श्रमिकों के लिए आवासीय क्षेत्र विकसित करने हेतु भूमि की व्यवस्था।
- प्रवासी भारतीयों द्वारा स्थापित उद्यमों को विशेष पैकेज

निष्कर्ष

प्रदेश के वर्तमान औद्योगिक नीतियों का अध्ययन करके यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि इन नीतियों के परिणाम स्वरूप प्रदेश के औद्योगिक विकास को किस दिशा में ले जाया जा रहा है। इन नीतियों ने राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में औद्योगिकरण की एक नई गति का सुत्रपात किया जिससे एक और जहाँ प्रदेश में अधिक पुँजी निवेश का नया वातावरण बना वही दुसरी और संतुलित क्षेत्रीय विकास के साथ-साथ प्रदेश की आम जनता के जीवन स्तर के सुधार हेतु रोजगार के और अधिक अवसर भी प्राप्त होंगे।

प्रस्तुत शोध पत्र के द्वारा दिये निम्न निष्कर्षः—

- औद्योगिक नीतियों में लघु उद्योगों को बढ़ावा दिया गया।
- लघु मध्यम एवं वृहत् उद्योग परिसर के अधोसंरचना विकसित करने का विशेष प्रावधान किया गया।
- राज्य के पर्यावरण एवं संसाधनों को ध्यान में रखते हुए औद्योगिक नीतियों का निर्माण किया गया।
- बीमार श्रेणी के उद्योगों के पुनर्जीवन हेतु विशेष वित्तीय सुविधाएँ।
- औद्योगिक क्षेत्र में शोध अनुसंधान की गतिविधियों को बढ़ावा।
- उद्योग नीतियों में पिछड़ी जातियों के उद्यमियों के लिए विशेष अनुदान।
- प्रवासी भारतीयों को मध्यप्रदेश राज्य में उद्योग स्थापित करने पर विशेष रियायतें।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- जैन अमरचन्द्र—औद्योगिक विकास एवं जिला उद्योग केन्द्र आदित्य पब्लिशर्स म.प्र.।

- पंडित मनोहर—लघु उद्योग एवं स्वरोजगार परियोजना उद्यमिता विकास केन्द्र म.प्र.
- नागर विष्णुदत्त—भारतीय अर्थव्यवस्था(म.प्र.हिन्दी ग्रंथ अकादमी)।
- भारद्वाज जे.एल.—भारत में आर्थिक विकास एवं नियोजन, रामप्रकाश एंड संस
- चतुर्वेदी अरविन्दर—औद्योगिक संभावनाओं का साकार होता परिदृश्य, म.प्र.संदेश जनसंपर्क संचालनालय, भोपाल
- शर्मा व सोलकी—म.प्र.सामान्य ज्ञान एक दृष्टि में, उपकार प्रकाशन, आगरा
- मध्यप्रदेश राज्य की पार्श्विका—लघु उद्योग सेवा संस्थान, इंदौर का प्रकाशन
- म.प्र. का आर्थिक सर्वेक्षण—म.प्र. सांख्यिकीय संचालनालय भोपाल।
- म.प्र. सन्देश—जनसम्पर्क संचालनालय भोपाल।
- वार्षिक प्रतिवेदन व प्रलेख—मध्यप्रदेश शासन
- समाचार—पत्र, पत्रिकाएँ—रोजगार निर्माण, रोजगार समाचार, नईदुनिया, दैनिक भास्कर, कुरुक्षेत्र, प्रतियोगिता दर्पण

Publish Research Article

International Level Multidisciplinary Research Journal

For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper, Summary of Research Project, Theses, Books and Book Review for publication, you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed, India

- ★ International Scientific Journal Consortium
- ★ OPEN J-GATE

Associated and Indexed, USA

- Google Scholar
- EBSCO
- DOAJ
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Database
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Indian Streams Research Journal
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005, Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.oldisrj.lbp.world